समझी लेवो रे मना भाई अंत नी होय कोई आपणा लिरिक्स

समझी लेवो रे मना भाई,
अंत नी होय कोई आपणा,
समझी लेवो रे मना भाई,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

आप निरंजन निरगुणा,
हारे सिरगुण तट ठाढा,
यही रे माया के फंद में,
नर आण लुभाणा,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

कोट कठिन गड़ चैढ़ना,
दुर है रे पयाला,
घड़ियाल बाजत घड़ी पहेर का,
दुर देश को जाणा,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

दुई दिन का है रयणाँ,
कोई से भेद नी कहेणा,
झिलमील झिलमील देखणा,
गुरु में शब्द को जपणा,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

भवसागर का तीरणा,
किस विधी पार उतरणा,
नाव खड़ी रे केवट नही,
अटकी रहयो रे निदाना,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

माया के भ्रम नही भुलणा,
ठगी जासे दिवाणा,
कहेत कबीर धर्मराज से,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

पहिचाणो ठिकाणाँ,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

समझी लेवो रे मना भाई,
अंत नी होय कोई आपणा,
समझी लेवो रे मना भाई,
अंत नी होय कोई आपणा।bd।

प्रेषक – प्रमोद पटेल।
यूटचूब पर – 1.निमाड़ी भजन संग्रह।
2.प्रमोद पटेल सा रे गा मा पा
9399299349

---

https://youtu.be/MY0vHw3HY2I

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com